आरती श्री रविदास जी की

नामु तेरो आरती भजनमुरारे,
हरि के नाम बिनु जूठे सगल पसारे । रहाउ ।
नाम तेरा आसनो नाम तेरो उरसा,
नामु तेरा केसरो ले छिटकारे ।
नाम तेरा अंभुला नाम तेरा चंदनोघसि,
जपे नाम ले तुझहि कउ चारे ।
नाम तेरा दिवा नाम तेरो बाती,
नाम तेरा तेल ले माहि पसारे ।
नाम तेरे की ज्योति जगाई,
भइयो उजियारो भवन सगलारे ।
नाम तेरो तागा नाम फूल माला,
भार अठारह सगल जूठारे ।
तेरो किया तुझ ही किया अरपउ,
नाम तेरा तू ही चंवर डोलारे ।
दस अठा अठसठे चारे खानी,
इहै वरताणि है सगल संसारे ।
कहै रविदास नाम तेरी आरती,
सतिनाम है हरिभोग तुहारे ।

विवरण

हे श्री रविदास हरि ! हम आपकी आरती गाते हैं, आपके भजन के बिना सब कुछ उच्छिष्ट है । हमारे हृदय में आप ही का नाम है तथा आप ही के नाम का हम सहारा लेते हैं । हे अंभुला ! हम आप ही के नाम का चंदन घिसते हैं तथा आप ही के नाम का तिलक हम सबको लगाते हैं ।

आप का नाम हम दिन - रात जपते रहते हैं । हम आपके नाम का

दीया जलाकर तथा उसमें आप ही के नाम का तेल डालकर एवं आपके नाम की उसमें बाती लगाकर हम चारों तरफ उससे रोशनी फैलाते हैं, जिससे आपका सम्पूर्ण भवन उजियारा हो जाता है । हम आपके नाम का धागा लेकर उस में आपके नाम का फूल पिरोकर तथा उसकी माला बनाकर आप ही को पहनाते हैं । हे भगवान! हम आपका किया आप ही को अर्पण करते हैं ।

हम आपके नाम का चँवर आप को ढुलाते हैं ।सारे जग का आपके प्रति यही बर्ताव है । हे प्रभु ! आपका नाम सच्चा है, हम आपकी आरती करते हैं एवं भोग लगाते है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.